अब तो मान जा रे डाकू तूने दारू क्यों पीदी

अब तो मान जा रे डाकू,

दोहा – दारू मे दूर मति गणी,
जिने कूता पीवे नही,
काग जो कोई मानव,
दारु पीवे तो सीधो नरक मे जाए।

अब तो मान जा रे डाकू,
तूने दारू क्यों पीदी।bd।

रुपया लेकर बाजार जावे,
दुकान गया रे ठेका पर,
पाव अद्द से काम नहीं चले,
बोतल मंगाई रे आकी,
अब तो मान जा रे डाकु,
तूने दारू क्यों पीदी।bd।

पी दारू ने नशा में हो गया,
सुध बुध भूल गयो सारी,
घर का छोरा छोरी भूकारे रोवे,
घरे बुलावे नारी,
अब तो मान जा रे डाकु,
तूने दारू क्यों पीदी।bd।

कटे अंगडक्या कटे पगड़क्या,
कटे पागड़ी नाकि,
मुंडा रे ऊपर कुत्ता रे मुतै,
कर कर ऊंची टांगी,
अब तो मान जा रे डाकु,
तूने दारू क्यों पीदी।bd।

केवे हरिलाल गुरुजी रे सरणे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

एब केवे हासी,
अब तो मान जा रे डाकु,
तूने दारू क्यों पीदी।bd।

अब तो मान जा रे डाकु,
तूने दारू क्यों पीदी।bd।

Singer – Uday lal
Hari om musical group
7727801279

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com